द्वितीय वर्ष (हिंदी) द्वितीय वर्ष / तृतीय अयन
AEC Course 2 Credit Theory

विषय कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक		Theory/Practical		कर्मांक
AEC - 201 - HIN	AEC	हिंदी भाषा क्षमता संवर्धन भाग-I	सैद्धांतिक	T	2
प्रस्तुत पाठ्यक्रम कला, वाणिज्य, विज्ञान तथा संगणक विज्ञान आदि द्वितीय वर्ष की सभी कक्षाओं के लिए है :- **S.Y.B.A./ S.Y.B.Sc (Regular)/ S.Y.B.Com/ S.Y.B.Sc.(Computer Science - BCS)/ S.Y.B.Sc (Computer Application - BCA)/ S.Y.B.B.A.(CA)/ S.Y.B.Com-BM/ S.Y.B.Com-CA/ S.Y.B.Com-IB/ S.Y.B.Sc (Data Science), S.Y.B.Sc. (AI & Machine Learning)**					

पाठ्यक्रम का लक्ष्य (Aims) :

भाषिक क्षमता विकास इस विषय पर केंद्रित यह पाठ्यक्रम छात्रों की भाषाई क्षमता को विकसित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। भाषिक क्षमता विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा भाषा के सुनना, बोलना, पढना और लिखना आदि अंगों को समझा जाता है। भाषा मनुष्य के भाव, विचारो को अन्य व्यक्ति के सम्मुख व्यक्त करने का महत्वपूर्ण साधन है। सफल और प्रभावशाली संप्रेषण के लिए भाषाई क्षमता की आवश्यकताएँ है। वास्तव में भाषा क्षमता संवर्धन भाषा का व्यावहारिक पक्ष है, जो हमें प्रभावी ढंग से संवाद करने, ज्ञान प्राप्त करने, विभिन्न संस्कृतियों को समझने में मदत करता है। व्यक्तित्व के विकास में भाषा कौशल महत्वपूर्ण है। भाषा पर अधिकार आने से रोजगार की संभावनाए भी अधिक होती । इस दृष्टि से स्नातक स्तर पर छात्रों के लिए यह विषय आवश्यक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcoms)

1. छात्रों में हिंदी भाषा की क्षमता का संवर्धन होगा तथा भाषिक कौशल से परिचित होंगे।
2. छात्र भाषिक विकास से परिचित होंगे।
3. छात्र भाषा क्षमता संवर्धन के आधार को समझ सकेंगे।
4. छात्र हिंदी वर्णमाला से परिचित होंगे।
5. भाषिक कौशल अध्ययन से छात्र शिक्षा और ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे।
6. छात्र भाषिक क्षमता संवर्धन के माध्यम से संप्रेषण करने में सफल होंगे।

7. भाषिक कौशल विकसित होने से रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

8. छात्र भाषिक कौशल के विविध संदर्भ से परिचित होंगे।

9. छात्र अपने भाव एवं विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकेंगे।

10. क्षमता संवर्धन के पठित कहानी और कविता के अध्ययन से नैतिक मूल्य विकसित होंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 2= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	**PO-2**	**PO-3**	**PO-4**	**PO-5**	**PO-6**	**PO-7**	**PO-8**	**PO-9**	**PO-10**	**PO-11**	**PO-12**	**PO-13**	**PO-14**	**PO-15**	**PSO-1**	**PSO-2**	**PSO-3**	**PSO-4**	**PSO-5**
CO-1	2	2	3	3	2	2	2	2	3	2	3	3	2	2	2	3	2	2	3	2
CO-2	2		3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		3	2	2	2	2
CO-3	3	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2	2	3
CO-4	3		3	3	2	2	2	2	3	2	2	3	2	2	2	3	2	2	3	3
CO-5	3	2	3			2			2	2	3	3	2	2		3	2	2	3	2
CO-6	2			3			2		3	2	3	3		2	2	3		2	3	3
CO-7	2		3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		3	2	2		2
CO-8	3	3	3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2
CO-9	3		2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2		2
CO-10	3	2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2
Wgt Avg	2.6	2.4	2.7	2.3	2	2	2.1	2	2.3	2	2.7	3	2	2	2	3	2	2	2.5	2.3

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई I	**वर्ण विचार:** 1. हिंदी वर्णमाला: वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण 2. स्वरों के भेद 3. व्यंजनों के भेद 4. संधि :स्वर संधि, व्यंजन संधि विसर्ग संधि 5. संज्ञा के भेद :पदार्थ वाचक संज्ञा, भाव वाचक संज्ञा। **6. सर्वनाम के भेद :** ▪ पुरुषवाचक सर्वनाम (मैं, तू, आप), ▪ निजवाचक सर्वनाम (आप) ▪ निश्चयवाचक सर्वनाम (यह, वह, सो) ▪ संबंध वाचक सर्वनाम (जो) ▪ प्रश्नवाचक सर्वनाम (कौन, क्या) ▪ अनिश्चयवाचक सर्वनाम (कोई, कुछ)	15
इकाई II	**साहित्य परिचय(कविता/ कहानी)** **कविता:** 1. मुकरियाँ (3) - भारतेंदु हरिश्चंद्र 2. चरण चले, ईमान अचल हो - माखनलाल चतुर्वेदी 3. किसान - मैथिलीशरण गुप्त 4. बहुत दिनों के बाद - नागार्जुन 5. भाईचारा - भवानीप्रसाद मिश्र 6. हिमालय के प्रति - रामधारी सिंह दिनकर **कहानी :** 1. फूलो का कुरता - यशपाल 2. आमों का टोकरा - सआदत हसन मंटो 3. तलाश - सूर्यबाला	15

अंक विभाजन:

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा/छात्र गोष्ठी/लेखक, कवि साक्षात्कार/समुह चर्चा आदि।

सत्रांत परीक्षा - 70%

1. प्रश्न 1 - इकाई i पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। (शब्द सीमा 300) $2 \times 7 = 14$
2. प्रश्न 2 - इकाई ii पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। $2 \times 7 = 14$
3. प्रश्न 3 - दोनों इकाइयों पर सात बहु पर्यायी प्रश्न। $7 \times 1 = 7$

संदर्भ ग्रंथ

1. विशुद्ध हिंदी - डॉ. सदानंद भोसले, विकास प्रकाशन, कानपूर
2. भाषा शिक्षण - डॉ. रविंद्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी शिक्षण - डॉ. मंजू शर्मा, डॉ. बनवारीलाल जैन, शिक्षा प्रकाशन, जयपुर
4. हिंदी शिक्षण - उषा सिंहल, सौरभ प्रकाशन, दिल्ली
5. भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान - बृजेश्वर वर्मा, केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली

❀✿❀

द्वितीय वर्ष (हिंदी) द्वितीय वर्ष / चतुर्थ अयन

AEC Course 2 Credit Theory

<table>
<tr><th>विषय कोड</th><th colspan="2">पाठ्यक्रम का शीर्षक</th><th colspan="2">Theory/Practical</th><th>कर्मांक</th></tr>
<tr><td>AEC - 251 - HIN</td><td>AEC</td><td>हिंदी भाषा क्षमता संवर्धन भाग II</td><td>सैद्धांतिक</td><td>T</td><td>2</td></tr>
<tr><td colspan="6">प्रस्तुत पाठ्यक्रम कला, वाणिज्य, विज्ञान तथा संगणक विज्ञान आदि द्वितीय वर्ष की सभी कक्षाओं के लिए है :- S.Y.B.A./ S.Y.B.Sc (Regular)/ S.Y.B.Com/ S.Y.B.Sc.(Computer Science - BCS)/ S.Y.B.Sc (Computer Application - BCA)/ S.Y.B.B.A.(CA)/ S.Y.B.Com-BM/ S.Y.B.Com-CA/ S.Y.B.Com-IB/ S.Y.B.Sc (Data Science), S.Y.B.Sc. (AI & Machine Learning)</td></tr>
</table>

लक्ष्य (Aims) :

यह पाठ्यक्रम छात्रों की भाषा संबंधी मूलभूत समझ को विकसित करने में सहायक है। इसमें विशेषण, क्रिया, वचन, लिंग, कारक और विभक्ति जैसे व्याकरण के महत्वपूर्ण पक्षों को शामिल किया गया है। जो किसी भी भाषा की संरचना को समझने के लिए आवश्यक हैं। विशेषणों के प्रकार जैसे सार्वनामिक, गुणवाचक और संख्यावाचक विशेषण, वाक्य को अधिक स्पष्ट और प्रभावी बनाते हैं। इसी प्रकार क्रिया के भेद, जैसे सकर्मक और अकर्मक क्रिया, वाक्य की क्रियात्मकता को समझने में मदद करते हैं। वचन और लिंग का ज्ञान छात्रों को भाषा की सही प्रयोग पद्धति सिखाता है। इस तरह व्याकरण की इन विषय वस्तुओं से छात्रों की लेखन और भाषण शैली सशक्त बनती है।

इस पाठ्यक्रम में केवल व्याकरणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि साहित्यिक विधाओं का भी समावेश किया गया है, जैसे ग़ज़ल और यात्रा वृत्तांत। ग़ज़ल के माध्यम से छात्र हिंदी साहित्य की कोमल भावनाओं और काव्य सौंदर्य से परिचित होते हैं। वहीं यात्रा वृत्तांत से वर्णनात्मक लेखन क्षमता का विकास होता है। वाक्य के प्रकार - साधारण, मिश्र और संयुक्त वाक्य - छात्रों को विचारों को क्रमबद्ध और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की कला सिखाते हैं। इस प्रकार यह पाठ्यक्रम न केवल विद्यार्थियों की भाषा क्षमता को मज़बूत करता है, बल्कि उनमें साहित्यिक रुचि और रचनात्मकता का भी विकास करता है। जो समग्र भाषा शिक्षा की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course learning Outcomes):

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात् निम्नलिखित परिणाम प्राप्त होंगे।

1. छात्र विशेषण के प्रकारों की पहचान कर सकेंगे तथा उपरोक्त संदर्भ में उनका प्रयोग कर सकेंगे।
2. सकर्मक एवं अकर्मक क्रियाओं में भेद कर सकेंगे तथा वाक्य में उनका सही प्रयोग कर सकेंगे।

3. वचन के भेद (एकवचन और बहुवचन) को समझकर सही रूप में वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे।
4. लिंग (पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग) के भेदों को पहचान सकेंगे और व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध प्रयोग कर सकेंगे।
5. कारक और विभक्तियों की पहचान कर सकेंगे तथा उनका उपयुक्त प्रयोग करना सीखेंगे।
6. वाक्य के भेद (साधारण, मिश्र, संयुक्त) को समझ सकेंगे और विभिन्न प्रकार के वाक्य बना सकेंगे।
7. ग़ज़ल के साहित्यिक स्वरूप एवं उसकी विशेषताओं को समझ सकेंगे।
8. यात्रा वृत्तांत की शैली और भाषा का विश्लेषण कर सकेंगे।
9. व्याकरण और साहित्य का संयोजन कर रचनात्मक लेखन करने में सक्षम होंगे।
10. हिंदी भाषा के व्याकरण और साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

MAPPING PROGRAM OUTCOMES WITH COURSE OUTCOMES & LEVEL OF MAPPING

[3= Fully Met, 2= Partially Met, 1= Poorly Met, Blank= Not Met]

Graduate Attributes	Disciplinary Knowledge	Communication Skills	Critical Thinking	Problem Solving	Analytical Reasoning	Research-related skills	Cooperation/Team Work	Scientific Reasoning	Reflective Thinking	Self-Directed Learning	Information /Digital Literacy	Multicultural Competence	Moral & Ethical Values	Leadership Readiness	Life-long Learning	Domen Knowledge	Professional Skills	Research	Social Responsibility	Personality Development
	PO-1	**PO-2**	**PO-3**	**PO-4**	**PO-5**	**PO-6**	**PO-7**	**PO-8**	**PO-9**	**PO-10**	**PO-11**	**PO-12**	**PO-13**	**PO-14**	**PO-15**	**PSO-1**	**PSO-2**	**PSO-3**	**PSO-4**	**PSO-5**
CO-1	2	2	3	3	2	2	2	2	3	2	3	3	2	2	2	3	2	2	3	2
CO-2	2		3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		3	2	2	2	2
CO-3	3	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2	2	3
CO-4	3		3	3	2	2	2	2	3	2	2	3	2	2	2	3	2	2	3	3
CO-5	3	2	3			2			2	2	3	3	2	2		3	2	2	3	2
CO-6	2			3			2		3	2	3	3		2	2	3		2	3	3
CO-7	2		3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2		3	2	2		2
CO-8	3	3	3	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2
CO-9	3		2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	2	2	2	3	2	2		2
CO-10	3	2	2	2	2	2	2	2	2	2	3	3	2	2	2	3	2	2	2	2
Wgt Avg	2.6	2.4	2.7	2.3	2	2	2.1	2	2.3	2	2.7	3	2	2	2	3	2	2	2.5	2.3

शिक्षा विधि (Pedagogy) :

व्याख्यान विधि, विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई I	**व्याकरणिक हिंदी:** 1. विशेषण के प्रकार: सार्वनामिक विशेषण, गुणवाचक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण। 2. क्रिया के भेद: सकर्मक क्रिया, अकर्मक क्रिया। 3. वचन के भेद: एक वचन, बहुवचन। 4. लिंग के भेद: पुल्लिंग, स्त्रीलिंग। 5. कारक और विभक्तियां: कारक के भेद। 6. वाक्य के प्रकार: साधारण वाक्य, मिश्र वाक्य और संयुक्त वाक्य।	15
इकाई II	साहित्य परिचय (गज़ल, यात्रा वृत्तांत) **गज़ल** **1. भूला हुआ था आज तलक - शमशेर बहादुर सिंह** भूला हुआ था आज तलक अपने घर को मैं क्या जाने चल दिया था कहाँ के सफ़र को मैं तुम मुस्कुरा रहे थे मुझे देख-देख कर अपनी समझ रहा था हरेक की नज़र को मैं गर्दिश से उन निगाहों को कुछ होश आ गया दुशमन समझ रहा था ख़ुद अपनी नज़र को मैं ऐसे भी मोड़ आए हैं चुपचाप बार-बार तकता था राहबर मुझे और राहबर को मैं 'शमशेर' और कुछ नहीं दुनिया जहान में इक दिल है, ढूंढता हूँ, उसी बेख़बर को मैं **2. हो गई है पीर पर्वत-सी... - दुष्यंत कुमार** हो गई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए, इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए। आज यह दीवार, परदों की तरह हिलने लगी, शर्त लेकिन थी कि ये बुनियाद हिलनी चाहिए। हर सड़क पर, हर गली में, हर नगर, हर गाँव में, हाथ लहराते हुए हर लाश चलनी चाहिए।	15

	सिर्फ़ हंगामा खड़ा करना मेरा मक़सद नहीं, मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए। मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही, हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए। **3. धूप में निकलो... निदा फाजली** धूप में निकलो घटाओं में नहा कर देखो ज़िंदगी क्या है किताबों को हटा कर देखो सिर्फ़ आँखों से ही दुनिया नहीं देखी जाती दिल की धड़कन को भी बीनाई बना कर देखो पत्थरों में भी ज़बाँ होती है दिल होते हैं अपने घर के दर-ओ-दीवार सजा कर देखो वो सितारा है चमकने दो यूँही आँखों में क्या ज़रूरी है उसे जिस्म बना कर देखो फ़ासला नज़रों का धोका भी तो हो सकता है वो मिले या न मिले हाथ बढ़ा कर देखो 4. **तुम्हारी फाइलों में... - अदम गोंडवी** तुम्हारी फाइलों में गाँव का मौसम गुलाबी है मगर ये आंकड़े झूठे हैं ये दावा किताबी है उधर जम्हूरियत का ढोल पीते जा रहे हैं वो इधर परदे के पीछे बर्बरीयत है, नवाबी है लगी है होड़ - सी देखो अमीरी औ गरीबी में ये गांधीवाद के ढाँचे की बुनियादी खराबी है तुम्हारी मेज़ चांदी की तुम्हारे जाम सोने के यहाँ जुम्मन के घर में आज भी फूटी रक़ाबी है **5. जिंदगी के लिए - ज्ञानप्रकाश विवेक** ज़िन्दगी के लिए इक ख़ास सलीक़ा रखना अपनी उम्मीद को हर हाल में ज़िन्दा रखना उसने हर बार अँधेरे में जलाया ख़ुद को उसकी आदत थी सरे-राह उजाला रखना आप क्या समझेंगे परवाज़ किसे कहते हैं आपका शौक़ है पिंजरे में परिंदा रखना	

	बंद कमरे में बदल जाओगे इक दिन लोगो मेरी मानो तो खुला कोई दरीचा रखना क्या पता राख़ में ज़िन्दा हो कोई चिंगारी जल्दबाज़ी में कभी पाँव न अपना रखना वक्त अच्छा हो तो बन जाते हैं साथी लेकिन वक़्त मुश्किल हो तो बस ख़ुद पे भरोसा रखना **यात्रा वृत्तांत:** 1. तिब्बत के पथ पर - राहुल सांकृत्यायन 2. देवताओं के अंचल में - अज्ञेय 3. धरती का स्वर्ग - विष्णु प्रभाकर	

अंक विभाजन:

आतंरिक मूल्यांकन - 30%

1. 15 अंकों की लघुत्तरी परीक्षा/किसी शायर या यात्रकार का साक्षात्कार/छात्र गोष्ठी/क्षेत्र भेंट आदि।

सत्रांत परीक्षा - 70%

1. प्रश्न 1 - इकाई i पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। (शब्द सीमा 300) $2 \times 7 = 14$
2. प्रश्न 2 - इकाई ii पर चार प्रश्न, जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। $2 \times 7 = 14$
3. प्रश्न 3 - दोनों इकाइयों पर सात बहु पर्यायी प्रश्न। $7 \times 1 = 7$

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी की मानक वर्तनी - कैलाशचंद्र भाटिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण - 2006।
2. हिंदी भाषा - भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण - 2004।
3. विशुद्ध हिंदी - डॉ. सदानंद भोसले, विकास प्रकाशन, कानपुर।
4. सुकून की तलाश - शमशेर बहादुर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. साये में धूप - दुष्यंत कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. खोया हुआ सा कुछ - निदा फाजली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. धरती की सतह पर - अदम गोंडवी, अनुज प्रकाशन (उ. प्र.)

8. धुप के हस्ताक्षर - ज्ञानप्रकाश विवेक, कादंबरी प्रकाशन, नई दिल्ली।

9. हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरुप और विकास - डॉ. रामविलास शर्मा